PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Wed, 16 Aug 2017, Page 9
Width: 40.64 cms, Height: 31.67 cms, a3r, Ref: 8.2017-08-16.39

मोदी ने कहा, साधन और विश्वास हो तभी संभव है बदलाव

'चलता है' अब नहीं चलेगा

Narendra.Mishra
@timesgroup.com

■**नई दिल्ली :** पीएम नरेंद्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से कहा कि देश में 'चलता है' का जमाना चला गया है। इसकी जगह पर 'बदल रहा है' और 'बदल गया है' का जमाना और विश्वास लाना है। मोदी ने कहा कि साधन और विश्वास हो, तभी परिवर्तन होता है। सकारात्मक बदलाव के लिए यह बेहद जरूरी है। उन्होंने इसे न्यू इंडिया की थीम के रूप में पेश किया। पीएम ने इशारों में पिछली सरकार और अपनी सरकार के कामकाज की तुलना भी की। मोदी ने लगभग एक घंटे के भाषण में कई मुद्दों पर अपनी रणनीति और आगे की सोच को साफ रेखांकित किया। उन्होंने आम लोगों के साथ विपक्षी दलों को भी संकेत दे दिया कि वे किन मुद्दों के साथ जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने 3 साल के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया।

1. करप्शन के मुद्दे पर ही लड़ेंगे 2019 का चुनाव

पीएम ने लाल किले से भाषण में इस तथ्य को स्थापित कर दिया कि वे 2019 का आम चुनाव करप्शन के मुद्दे पर ही लड़ेंगे। पिछले साल 8 नवंबर को नोटबंदी की घोषणा के साथ ही मोदी ने कई बार ये संकेत दिया था कि वह करप्शन के मुद्दे को राजनीतिक बहस का मसला बनाने में जुटे हैं। लाल किले से भाषण में जिस तरह नोटबंदी के बाद उन्होंने काले धन की बात की, बेनामी संपत्ति की बात की, उससे वे सभी राजनीतिक दलों को ये संदेश दे गए कि 2019 में वे इसी मुद्दे पर बात करेंगे। अपने एक घंटे के भाषण में उन्होंने सबसे ज्यादा वक्त करप्शन के इर्द-गिर्द ही बातें की।

2. न्यू इंडिया 2019 का घोषणा पत्र

पीएम मोदी ने 2022 तक न्यू इंडिया बनाने की कल्पना पेश की। अपने भाषण की थीम उन्होंने न्यू इंडिया के इर्द-गिर्द ही रखी। उन्होंने कहा कि हमको न्यू इंडिया का संकल्प लेकर आगे बढ़ना है। हम 2022 तक समृद्ध और शक्तिशाली 'न्यू इंडिया' बनाएंगे, जो स्वच्छ होगा, स्वस्थ होगा और स्वराज के सपने को पूरा करेगा, जहां भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से कोई समझौता नहीं होगा, जो आतंकवाद, संप्रदायवाद और जातिवाद से मुक्त होगा, जहां युवाओं और महिलाओं को उनके सपने पूरे करने के लिए भरपूर अवसर मिलेंगे, जहां देश का किसान चिंता में नहीं, चैन से सोएगा, आज वो जितना कमा रहा है, उससे दोगुना कमाएगा, जहां गरीब के पास पक्का घर होगा, बिजली होगी, पानी होगा। उन्होने कहा, '125 करोड़ देशवासियों में न कोई छोटा है न बड़ा। हम सब मिलकर 'न्यू इंडिया' बना सकते हैं। राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्ति से किया गया काम हमेशा अच्छा परिणाम देता है, मगर आपके बिना ये सपने पूरा नहीं होंगे।'

3. धार्मिक कट्टरवाद को सपोर्ट नहीं

हाल में धार्मिक कट्टरवाद और उस कारण उपजी अशांति से चिंतित पीएम मोदी ने लाल किले से साफ संदेश देने की कोशिश की कि वह इन सब बातों का सपोर्ट नहीं करेंगे। न तो सरकार और न ही पार्टी के स्तर पर इसे बढ़ावा दिया जाएगा। दरअसल हाल में गोरक्षा और जबरन राष्ट्रवाद थोपने के नाम पर हिंसा तक हुई। पूरे विश्व में चिंता व्यक्त की गई। निवेशकों तक ने सरकार से बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने की मांग की थी। ऐसे में पीएम मोदी ने सबसे बड़े मंच से साफ संदेश देने की कोशिश की कि वह धार्मिक कट्टरवाद के साथ नहीं दिखेंगे। साथ ही ट्रिपल तलाक का मुद्दा उठाकर भी मुस्लिम कट्टरपंथियों को भी ऐसा ही संकेत दे दिया।

4. सूट-बूट की इमेज से और दूरी

पहले दो सालों के दौरान सूट-बूट की सरकार का आरोप झेलने के बाद पीएम मोदी ने जिस तरह उसे हटाने की हर संभव कोशिश की, उसका विस्तार भी इस भाषण में दिखा। बीजेपी ने गरीबों और पिछड़ों के बीच अपनी पैठ बढ़ाई है। इसका फायदा उन्हें चुनाव में भी मिला।